

प्रेषक,

अमरेंद्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास विभाग,
उत्तरांचल, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग

देहरादून : दिनांक : 7 अक्टूबर, 2006

विषय: नगर पंचायत, हरबर्टपुर (देहरादून) हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में अवस्थापना विकास निधि से टाईल सड़कों/नालियों के निर्माण हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपयुक्त विषयक की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगर पंचायत, हरबर्टपुर (देहरादून) द्वारा विभिन्न टाईल सड़कों/नालियों के निर्माण हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 105.59 लाख के तकनीकी परीक्षणोपरान्त, संलग्न सूची में अंकित विवरणानुसार रु. 99.34 लाख (रु. निम्नान्वे लाख चौतीस हजार मात्र) की धनराशि के आगणन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि को व्यय हेतु आपके नियंत्रण पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को बैंक ड्राफ्ट अथवा बैंक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
2. अवस्थापना विकास मद से स्वीकृत की जा रही धनराशि को स्थानीय निकायों के द्वारा अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी का संयुक्त रूप से एक पृथक खाता किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खोल कर जमा किया जायेगा। किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य मदों में न किया जाय। इसके लिए संबंधित अधिशासी अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
3. उक्त धनराशि का उपयोग उन्हीं योजनाओं एवं मदों के लिए किया जायेगा, जिन योजनाओं एवं मदों के लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है। किसी भी दशा में धनराशि का व्यावर्तन किसी अन्य योजना/मद में नहीं किया जायेगा।
4. टाईल सड़कों के निर्माण हेतु शासनादेश संख्या 3173/V-श.वि./2006 दिनांक 30.8.2006, जो वित्त विभाग की सहमति से जारी किया गया है, का अनुपालन बाध्यकारी होगा।
5. स्वीकृत धनराशि के व्यय अथवा निर्माण करने से पूर्व सभी योजनाओं/कार्यों पर संबंधित मानचित्र एवं विस्तृत आगणन गठित कर तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए एवं विशिष्टियों का अनुपालन करते हुए प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाए।
6. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए, जितना कि स्वीकृत नाम है। स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
7. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
8. संबंधित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी। कार्य की गुणवत्ता एवं समवबद्धता हेतु संबंधित निर्माण एजेंसी के अधिशासी अभियंता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूपेण उत्तरदायी होंगे।

क्र.प्र.
(मायावती दफ्तरियाल)
अनुरोधित

क्रमशः...

2- उक्त के संबंध में होने वाला वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05-नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास" के मातृक मद '20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 954/XXVII(2)/2006 दिनांक 19 अक्टूबर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)

सचिव।

संख्या : 2776(1)/V/2006 तददिनांक। 9/11

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित : -

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तरांचल, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा. नगर विकास मंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करने का कष्ट करें।
9. अध्यक्ष/अधिसूची अधिकारी, नगर पंचायत, हरबर्टपुर (देहरादून)।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(मायावती इकरियाल)
अनुसूचित
शहरी विकास विभाग
उत्तरांचल शासन

(एन. के. जोशी)
अपर सचिव।

9. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तापुस्तिका, बजट मैन्युअल, स्टोर परचेज क्लस्स इध मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। एकमुश्त प्राविधान के विस्तृत आगणन गठित कर लिये जाये और इन पर यदि किसी तकनीकी अधिकारी के कार्य कराने से पूर्व का अनुमोदन प्राप्त करना नियमानुसार आवश्यक हो तो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उक्त अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये।
10. निर्माण एजेंसी के चयन में शासनादेश संख्या 452/XXVII(1)/2005 दिनांक 05 अप्रैल 2005 में निर्गत निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
11. यदि उक्त कार्य अन्य विभागीय/नगर निकाय के बजट से स्वीकृत हो चुके हैं या कराये जा चुके हैं, तब संबंधित योजना/कार्य के लिए इस शासनादेश द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि का कोषागार से आहरण न करके उसकी सूचना शासन को देकर आवश्यक धनराशि शासन को तत्काल समर्पित कर दी जायेगी।
12. कार्य करने के बाद कार्य स्थान पर योजना के पूर्ण विवरण के साथ अर्थात् योजना की लागत, लम्बाई, कार्यदायी संस्था, ठेकेदार का नाम, प्रारम्भ करने का समय, पूर्ण करने का समय तथा वित्त पोषण के स्रोत के विवरण के साथ एक साइनबोर्ड उक्त योजना की लागत से ही लगा दिया जायेगा।
13. जी.पी.डब्ल्यू. फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य संपादित करना होगा तथा समय से कार्य पूर्ण न करने पर निर्माण इकाई से आगणन की कुल लागत का 10 प्रतिशत की दर से दण्ड वसूल किया जायेगा।
14. सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के संबंध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायेंगे तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो संबंधित संस्था को अग्रोत्तर धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी। निर्माण एजेंसी को एकमुश्त पूर्ण धनराशि अवमुक्त न करके दो अथवा तीन किस्तों में धनराशि अवमुक्त की जायेगी और अंतिम किस्त तब ही निर्गत की जाये, जब कार्य की गुणवत्ता ठीक हो, शासनादेश के मानकों के अनुरूप हो।
15. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण संबंधित विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों तथा जो दरें शिफ्टूल ऑफ रेंट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
16. उक्त स्वीकृति की जा रही धनराशि की प्रतिपूर्ति का प्रस्ताव अविलम्ब शासन को प्रेषित किया जायेगा।
17. विस्तृत आगणन में ली जाने वाली दरों का अनुमोदन निकटतम लो.नि.वि. के अधिशासी अभियन्ता से आवश्यक होगा एवं कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों का स्थल निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लिया जाए एवं स्थल पर आवश्यकतानुसार ही कार्य किये जायेंगे।
18. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
19. कार्य पूर्ण करके इसी वित्तीय वर्ष में उक्त कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण दिनांक 31.3.2007 तक राज्य सरकार को तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।
20. कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
21. मुख्य सचिव महोदय, उत्तरांचल शासन के शासनोदेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

(मायावती टकरियाल)

क्रमशः...

नगर पंचायत, हरबटपुर (देहरादून)

शासनादेश संख्या : 2796 / V-2006-500(सा0-13) / 2006टी0सी0, दिनांक- 7 अक्टूबर, 2006

का संलग्नक:

(लाख रुपये में)

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आगपन की लागत	टी0एस0सी0 से अनुमोदित
1-	वार्ड न0 1 में विकासनगर रोड से मधुजोशी के मकान से खाले के किनारे टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.21	1.14
2-	वार्ड न0 1 में मधुजोशी के बुनियाद से अनि शर्मा पुलिस वाले के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	3.35	3.27
3-	वार्ड न0 1 में भटनागर के मकान से पाण्डेय की बुनियाद तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.53	1.45
4-	वार्ड न0 1 में पाण्डेय की बुनियाद से हरिपुर केनाल तक (राकेश के मकान तक) टाईल्स रोड का निर्माण ।	4.66	4.41
5-	वार्ड न0 1 में डकरानी कलीनी रोड पर श्री नरेन्द्र बिष्ट वाली टाईल्स रोड का निर्माण ।	0.70	0.66
6-	वार्ड न0 1 में डकरानी कलीनी रोड पर श्री विजयपाल बिष्ट वाली टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.06	1.00
7-	वार्ड न0 2 में पीटा रोड पर पुजानरौन स्कूल के पास से नेम पुलिस तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.23	1.16
8-	वार्ड न0 2 में पीटा रोड पर जम्नालालदेव के मकान के पास टाईल्स रोड का निर्माण ।	0.84	0.79
9-	वार्ड न0 2 में पीटा रोड पर डा गिरिशज के मकान के पास टाईल्स रोड का निर्माण ।	0.61	0.58
10-	वार्ड न0 2 में सहारनपुर मेन रोड पर रतनलाल गोयल की दुकान के पास से बलजीत सिंह रावत के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	2.80	2.63
11-	वार्ड न0 2 में सहारनपुर मेन रोड से ओमी के बाग तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	3.69	3.49
12-	वार्ड न0 2 में सहारनपुर मेन रोड से ज्ञानचन्द की दुकान से ज्ञानचन्द के प्लॉट तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	4.29	4.06
13-	वार्ड न0 2 में दुर्गा प्रसाद ममगाई के घर से धीमान के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.30	1.23
14-	वार्ड न0 2 में तपुनजी निशाग की दुकान के सामने पुलिस से सी0एस0टी0 स्कूल की बाउन्ड्री तक नाली का निर्माण ।	0.32	0.32
15-	वार्ड न0 3 में सहारनपुर मेनरोड फतेहपुर रोड (रा0ई0 का) से बरु तोमर के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.31	1.24
16-	वार्ड न0 3 में विक्रम सिंह जोशी के मकान से डा सैनी के मकान टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.01	0.95
17-	वार्ड न0 3 में सुभाष सैनी के मकान से मेघराज की बुनियाद तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	0.76	0.72
18-	वार्ड न0 3 में अशोक काम्बाज के पिछे से गौधी के मकान को होते हुये जोशी की बुनियाद तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	2.26	2.14
19-	वार्ड न0 3 में कैनाल रोड पर विकास अग्रवाल के मकान से नसीम के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	2.53	2.40
20-	वार्ड न0 3 में कैनाल रोड पर रतन लाल गोयल के मकान से जोहड तक वार्ड न0 3 में कैनाल रोड पर	3.35	3.17
21-	वार्ड न0 3 सहारनपुर मेन रोड पर सेजरान की आरामशीन से नसीम के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	2.61	2.47
22-	वार्ड न0 4 में आनन्द सिंह पटवाल के मकान से दयाल सिंह के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	3.74	3.54

मायावती इकरिथाल)
अनुमोदित
शहरी विकास विभाग
नगर पंचायत

	दमरुड़ा के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।		
49-	वार्ड नं० 5 में मनोहर सिंह राणा के मकान से चन्द्रमाप्रसाद के मकान तक टाईल्स रोड एवं नाली का निर्माण ।	1.31	1.25
50-	वार्ड नं० 5 में कृपाल सिंह थपलियाल के मकान से दिनेन्द्र थापा के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.16	1.10
51-	वार्ड नं० 5 में फतेहपुर रोड पर प्रेमचन्द कौशल से श्रवण कुमार के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	0.45	0.42
52-	वार्ड नं० 5 में विमला भट्ट के मकान से आठोडीरसो दिष्ट के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.51	1.43
53-	वार्ड नं० 6 में डी०आर०स्कूल वाली रोड से हरनाम सिंह के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	5.52	5.22
54-	वार्ड नं० 6 में रामस्वरूप शर्मा के मकान के पास से प्राइमरी स्कूल बाउन्ड्री के किनारे होते हुये हरि सिंह जगगी के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	0.77	0.73
55-	वार्ड नं० 6 में प्राइमरी स्कूल बाउन्ड्री से दिनेश बंसल के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.38	1.31
56-	वार्ड नं० 6 में सग्राम सिंह के घर के पास से आठोपी०सिंह के मकान के सामने तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.32	1.25
57-	वार्ड नं० 6 में रामवीर सिंह के मकान से दिनेन्द्र सिंह गोसाई की मुनियार तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.42	1.34
58-	वार्ड नं० 6 में श्रीमति पवार के मकान के पास वाली टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.58	1.50
59-	वार्ड 6 में देहरादून मेन रोड पर सुन्दर लाल के मकान के पास से काकूराम मुलिस वाले के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	2.69	2.54
60-	वार्ड नं० 7 में विकासनगर रोड की दुकान के पास से कैनाल रोड तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.98	1.87
61-	वार्ड नं० 7 में बेला बस्ती में गीता के घर से मुन्ना के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	0.55	0.52
62-	वार्ड नं० 7 में प्राइमरी स्कूल के सामने वाली टाईल्स रोड का निर्माण ।	0.58	0.55
63-	वार्ड नं० 7 में देहरादून मेन रोड पर राजेन्द्र/राजपाल की दुकान से राजेन्द्र अग्रवाल के मकान तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	0.58	0.55
64-	लेमन हॉस्पिटल के अन्तर्गत मेन रोड से हरिप्रसाद के घर तक , राजेन्द्र के घर तक , श्रीकास्तव के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.09	1.03
65-	लेमन हॉस्पिटल के अन्तर्गत मेन रोड से रमेश के घर , भीम सिंह के घर तक , कल्लू के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.67	1.58
66-	लेमन हॉस्पिटल के अन्तर्गत मेन रोड से मि०अनिबल के घर तक , पंकज के घर तक , पतरस के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	1.15	1.09
67-	लेमन हॉस्पिटल के अन्तर्गत मेन रोड से जोसफिन के घर तक सिंगल के घर अमिचन्द के घर से जोशी के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	2.67	2.52
68-	लेमन हॉस्पिटल के अन्तर्गत मेन रोड से विमल की दुकान तक विमल के घर तक रसल के घर तक अमिचन्द के घर तक टाईल्स रोड का निर्माण ।	2.11	1.99
69-	ग्राम फतेहपुर में श्री संजीव कुमार बड़ौनी के मकान के पास नाली के उपर सलेफ का कार्य ।	0.29	0.29
	कुल योग-	105.59	60.74

क्रमा
(भायावती डफरियाल)
अनुसूचित
शहरी विकास विभाग
उत्तरांचल शासन

9. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल स्टोर परचेज रूल्स एवं भित्तिव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। एकमुश्त प्राविधान के विस्तृत आगणन गठित कर लिये जाये और इन पर यदि किसी तकनीकी अधिकारी के कार्य कराने से पूर्व का अनुमोदन प्राप्त करना नियमानुसार आवश्यक हो तो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उक्त अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये।
10. निर्माण एजेंसी के चयन में शासनादेश संख्या 452/XXVII(1)/2005 दिनांक 05 अप्रैल 2005 में निर्गत निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
11. यदि उक्त कार्य अन्य विभागीय/नगर निकाय के बजट से स्वीकृत हो चुके हैं या कराये जा चुके हैं, तब संबंधित योजना/कार्य के लिए इस शासनादेश द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि का कोषागार से आहरण न करके उसकी सूचना शासन को देकर आवश्यक धनराशि शासन को तत्काल समर्पित कर दी जायेगी।
12. कार्य करने के बाद कार्य स्थान पर योजना के पूर्ण विवरण के साथ अर्थात् योजना की लागत, लम्बाई, कार्यदायी संस्था, ठेकेदार का नाम, प्रारम्भ करने का समय, पूर्ण करने का समय तथा वित्त पोषण के श्रोत के विवरण के साथ एक साइनबोर्ड उक्त योजना की लागत से ही लगा दिया जायेगा।
13. जी.पी.डब्ल्यू. फॉर्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य संपादित करना होगा तथा समय से कार्य पूर्ण न करने पर निर्माण इकाई से आगणन की कुल लागत का 10 प्रतिशत की दर से दण्ड वसूल किया जायेगा।
14. सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के संबंध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायेंगे तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो संबंधित संस्था को अग्रतः धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी। निर्माण एजेंसी को एकमुश्त पूर्ण धनराशि अवमुक्त न करके दो अथवा तीन किशतों में धनराशि अवमुक्त की जायेगी और अंतिम किशत तब ही निर्गत की जाये, जब कार्य की गुणवत्ता ठीक हो, शासनादेश के मानकों के अनुरूप हो।
15. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण संबंधित विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
16. उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि की प्रतिपूर्ति का प्रस्ताव अविलम्ब शासन को प्रेषित किया जायेगा।
17. विस्तृत आगणन में ली जाने वाली दरों का अनुमोदन निकटतम लो.नि.वि. के अधिशासी अभियन्ता से आवश्यक होगा एवं कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों का स्थल निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लिया जाए एवं स्थल पर आवश्यकतानुसार ही कार्य किये जायेंगे।
18. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
19. कार्य पूर्ण होने के बाद इसी वित्तीय वर्ष में उक्त कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण दिनांक 31.3.2007 तक राज्य सरकार को तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।
20. कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
21. मुख्य सचिव महोदय, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

महोदय
(माध्यावती ठेकेदारों)

अनुसंधान
शहरी निवेश विभाग
आ. अ. अ.

क्रमशः